मैनेजर नहीं, लीडर बनने की कोशिश करें: चौहान

आईआईएम के लीडरशिप समिट में बीएसई के एमडी और सीईओ आशीष कुमार चौहान ने रखी बात

सिटी रिपोर्टर . रायपुर

आईआईएम रायपुर की ओर से दो दिवसीय लीडरशिप समिट 2020 का आयोजन किया जा रहा है। 'न्यू एज, न्यू रियलिटीज' विषय पर रखे गए वर्चुअल समिट में पहले दिन शनिवार को पांच पैनल डिस्कशन हुए। समिट के चीफ गेस्ट बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज के एमडी और सीईओ आशीष कुमार चौहान ने बताया कि लीडर्स के लिए मल्टी-टास्किंग होना ही सबसे बड़ी संपत्ति और क्वालिटी होती है। लीडर्स पहले क्या हुआ था, वर्तमान में क्या हो रहा है, ये सब जानता है। लीडर्स को बाजार में भविष्य में होने वाले बदलावों की गहरी समझ होनी चाहिए। उन्होंने कहा, नैतिक नेतृत्व के विपरीत आने वाले समय में स्थितिजन्य नेतृत्व दिखेंगे। ऐसी स्थिति में लीडर्स के पास अतीत और वर्तमान की बाधाओं के बावजूद कंपनी को आगे ले जाने की क्षमता होनी चाहिए। उन्होंने कहा, लीडर्स को एक दूसरे के आइडिया से सीखना चाहिए। मैनेजर बनने की जगह हमेशा टीम लीडर बनने की कोशिश करना चाहिए। वर्तमान में सिचुएशनल लीडरशिप ज्यादा रिलेवेंट है। आईआईएम रायपुर के डायरेक्टर डॉ. भारत भास्कर ने बताया कि मैनेजमेंट के मूल सिद्धांतों को बदलने के बजाय वर्तमान में नई वास्तविकता के अनुकूल होना बेहद महत्वपूर्ण है। पाइन लैब्स के चीफ पीपल ऑफिसर अनु मैथ्यू ने हर उम्र में सीखने और सीखने की प्रक्रिया का आनंद लेने की सलाह दी।

लक्ष्य पाने विजन बड़ा रखें

सेंट गोबेन सेकुरिट के एमडी दिनकर ए ने कहा, संगठनों को अपने लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए हमेशा विजन बड़ा रखना चाहिए। स्टूडेंट्स को डिजिटल ट्रांसफॉर्मेशन, एनालिटिक्स में ध्यान देना चाहिए। पारदर्शिता, विनम्रता और ईमानदारी मुख्य मूल्य हैं जो एक लीडर के पास होने चाहिए।

Dainik bhasker, 18th Oct. 2020,p. 1(City Bhasker).jpg